

शक्ति क्या है परिभाषा दीजिये [राजनीति विज्ञान] Pdf Download

भारतीय राजनीति के साथ- साथ दुनियां की राजनीति और राजनीतिज्ञ विशेषकों को जानने और समझने के लिए उनकी शक्ति को जानना और समझना अति आवश्यक है यहां सबसे पहले शक्ति का अर्थ उसके बाद परिभाषाएं तथा अंत में प्रकार और शक्ति के श्रोत को पढ़ेंगे |

शक्ति का अर्थ (Meaning of Power):-

दुनियां की राजनीति में, शक्ति राजनीति विज्ञान की मूल अवधारणा रही है क्यों कि राजनीति हमारे समाज का वह क्षेत्र है, जहां सभी के लिए नियम बनाये जाते हैं, सभी के लिए निर्णय लिए जाते हैं तथा अधिकारों एवं कर्तव्यों का आवंटन किया जाता है |

इस सभी कार्यों को करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है लेकिन व्यक्ति का स्वरूप क्या है? उसकी प्रवृत्ति क्या है? समाज में शक्ति श्रोय क्या है? आदि तत्वों पर एकरूपता का आभाव है। जहां प्राचीन समय में सैनिक शक्ति महत्वपूर्ण मानी जाती थी वहीं वर्तमान समय में राजनैतिक शक्ति पर जोर दिया जाता है |

शक्ति क्या है (What's the power):-

साधारण शब्दों में अगर कहें तो: लोग जो कुछ नहीं करना चाहते उनसे वैसा कराने की क्षमता को शक्ति की संज्ञा दी जाती है, वहीं इसको दूसरे शब्दों में समझते हैं, जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध, उससे किसी निर्णय का पालन करवाता है, तब पहला व्यक्ति, दूसरे व्यक्ति के ऊपर शक्ति का प्रयोग करता है |

भारतीय राजनीति विचारक कौटिल्य ने “दण्ड- शक्ति” जोकि शक्ति का ही पर्याय है, को राजनीति का मूल आधार माना है और लिखते हैं कि “ समस्त सांसारिक जीवन का मूल आधार दण्ड- शक्ति ही है”।

मेक्स वेबर के अनुसार :-

शक्ति का अर्थ है किसी किसी सामाजिक संबंध के अंतर्गत एक कर्ता के द्वारा दूसरे की इच्छा के विरुद्ध अपनी इच्छा को कार्यान्वित करने की संभावना”।

मैकाइवर के अनुसार:-

यह किसी भी संबंध के अंतर्गत ऐसी क्षमता है जिससे दूसरों से कोई काम लिया जाता है या आज्ञा पालन करवाया जाता है |

राबर्ट बायसटिड के अनुसार :-

“यह बल प्रयोग की योग्यता है न कि उसका वास्तविक प्रयोग”

इस प्रकार यह कहा जा सकता है जिसके पास शक्ति है, वह दूसरों को अपनी इच्छा के अनुसार चलाने की क्षमता रखता है अर्थात् दूसरों की इच्छा के विरुद्ध उनसे कार्य कराने की ही क्षमता ही शक्ति है।

शक्ति (Power) की परिभाषा किस- किस ने दी है?

राजनीति विज्ञान में इसको समझना अतिआवश्यक है, राबर्ट बायसटिड ने इसकी परिभाषा अपने अनुसार दी है उसके बाद मैकाइवर ने अपनी परिभाषा अपने अनुसार दी है इसी प्रकार मेक्स बेबर ने इसका अर्थ समझाने की कोशिश की है ।

गुजरात का वास्तविक संस्थापक कौन था?

अहमद शाह, गुजरात का वास्तविक संस्थापक था।

अहमदाबाद की स्थापना किसने की थी?

अहमद शाह ने आसवाल के प्राचीन नगर के स्थान पर अहमदाबाद नगर की स्थापना की तथा उसने 1413 ई. इसे अपनी राजधानी बनाया ।

अलाउद्दीन खिलजी ने गुजरात पर कब आक्रमण किया था?

1297-98 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने गुजरात पर आक्रमण किया था ।

जफ़र खॉं गुजरात का सूबेदार/ राज्यपाल कब बना था?

1401 ई. में